भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 331 का उत्तर

देश में नए रेलबे ट्रैक का निर्माण

331. सुश्री इकरा चौधरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पूरे देश में रेल संपर्क उपलब्ध कराने के लिए नई रेल पटरियां बिछाए जाने के संबंध में सरकार की वर्तमान नीति का ब्यौरा क्या है;

(ख) ऐसी कुल कितनी रेल पटरियां हैं, जिनके लिए पूर्व में सर्वेक्षण किया जा चुका है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है अथवा कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है;

(ग) पानीपत-मेरठ रेल मार्ग पर कुल कितने सर्वेक्षण किए गए हैं; और

(घ) सरकार द्वारा उक्त रेल मार्ग पर कार्य आरंभ करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

s.k

देश में नए रेलबे ट्रैक के निर्माण के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में सुश्री इकरा चौधरी के अतारांकित प्रश्न सं. 331 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): रेल परियोजनाएं विभिन्न राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं, इसलिए रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है न कि राज्य-वार/जिला-वार। इसके अलावा, रेल अवसंरचानात्मक परियोजनाओं को लाभप्रदता, अंतिम छोर संपर्क, अनुपलब्ध लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोणों आदि के आधार पर शुरू किया जाता है जो चालू परियोजनाओं की दायिताओं, धन की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है।

पिछले 3 वर्षों अर्थात् 2021-22, 2022-23, 2023-24 और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 24,381 किलोमीटर लंबाई के 386 सर्वेक्षण (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) कार्य पूरे किए गए हैं। सर्वेक्षण रिपोर्ट के परिणाम के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में ₹7.44 लाख करोड़ की लागत पर कुल 44,488 किलोमीटर लंबाई की 448 रेल अवसंरचनात्मक परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं, जिनमें से 12,045 किलोमीटर लंबाई को कमीशन किया गया है और मार्च 2024 तक लगभग ₹2.92 लाख करोड़ का व्यय उपगत किया गया है। इनमें शामिल हैं:-

i. **लगभग ₹4.16 लाख करोड़ की लागत पर कुल 20,199 किलोमीटर लंबाई की 187 नई लाइन परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं, जिनमें से**

2,855 किलोमीटर लंबाई को कमीशन किया गया है और मार्च 2024 तक लगभग ₹1.6 लाख करोड़ का व्यय उपगत किया गया है।

ii. ₹45,242 करोड़ की लागत पर कुल 4,719 किलोमीटर लंबाई की 40 आमान परिवर्तन परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं, जिनमें से 2,972 किलोमीटर लंबाई को कमीशन किया गया है और मार्च 2024 तक लगभग ₹18,706 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है।

iii. लगभग ₹2.83 लाख करोड़ की लागत पर कुल 19,570 किलोमीटर लंबाई की 261 दोहरीकरण परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं, जिनमें से 6,218 किलोमीटर लंबाई को कमीशन किया गया है और मार्च 2024 तक लगभग ₹1.13 लाख करोड़ का व्यय उपगत किया गया है।

लागत, खर्च तथा परिव्यय सहित सभी रेलवे परियोजनाओं की जोन-वार/वर्ष-वार विवरण भारतीय रेल की वैबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

भारतीय रेलों की नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए औसत वार्षिक बजट आवंटन इस प्रकार है:-

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	11,527 करोड़ प्रति वर्ष	-
2014-24	40,289 करोड़ प्रति वर्ष	लगभग 3.5 गुणा
2024-25	67,199 करोड़ रुपए	6 गुना

s.k

भारतीय रेलों में नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण के कमीशन करने का विवरण इस प्रकार है:-

अवधि	चालू किया गया कुल रेलपथ	चालू किया गया औसत रेलपथ	2009-14 के औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	7,599 किलोमीटर	4.2 किलोमीटर प्रतिदिन	-
2023-24	5,309 किलोमीटर	14.54 किलोमीटर प्रतिदिन	लगभग 3.5 गुना

(ग) और (घ): विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए मेरठ-पानीपत नई लाइन (104 कि.मी.) का सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है। बहरहाल, पानीपत और मेरठ दिल्ली-गाजियाबाद के रास्ते मौजूदा रेल नेटवर्क से भली-भांति जुड़े हुए हैं।

******

s.k